मेट्रो-5 लाइन के लिए 550 मीटर लंबा ब्रिज हुआ तैयार

Damodar.Vyas@timesgroup.com

■ **मुंबई :** ये साल मुंवई की चाल वदलने वाला साल है। जिस तरह से मेट्रो लाइनें शुरू हो रही हैं या काम चल रहा है, उससे शहर के ट्रैफिक की स्थिति वदलेगी। दो दिन पहले ही मेट्रो-7 और मेट्रो-2ए का पूरा रूट शुरू हुआ, उसी दौरान मेट्रो-5 का एक महत्वपूर्ण काम भी पूरा हुआ है। शहर की ऐसी पहली मेट्रो जो किसी खाड़ी के ऊपर से गुजरेगी उसके ब्रिज का काम पूरा हो चुका है।

> कशैली खाड़ी पर तैयार हुआ ब्रिज

मेट्रो-5 के लिए कशैली क्रीक पर ब्रिज का काम 23 जनवरी को पूरा हुआ है। मेट्रो-5 लाइन के लिए ये सबसे महत्वपूर्ण काम था, जिसमें 550 मीटर लंवा ब्रिज वनाना था। ये मेट्रो-5 के पहले चरण का हिस्सा होगा। इस रूट से ठाणे और कल्याण मेट्रो से कनेक्ट होंगे। कशैली क्रीक ब्रिज के लिए 13 स्पैन लॉन्च करने थे, इनमें से 9 स्पैन खाड़ी के ऊपर से गुजरते हैं। प्रत्येक स्पैन की लंवाई 42.23मीटर है और एक स्पैन में कुल 15 हिस्से हैं। कशैली खाड़ी पर गर्डर लॉन्च करने का काम 123 दिनों में पूरा कर लिया गया।

ये पूरा रूट 2025 में तैयार होने की उम्मीद है, जवकि इसका पहला चरण दिसंवर, 2024 तक शुरू किया जाएगा। मेट्रो-5 से वडाला-कासरवडवली के वीच चलने वाली मेट्रो-4 और कल्याण से तलोजा के वीच प्रस्तावित मेट्रो-12 लाइन जोड़ी जाएगी। इस लाइन से मध्य रेलवे का वोझ कम होने के साथ ही ठाणे, भिवंडी और काल्याण जैसे इलाकों को फायदा होगा। इस लाइन के वाद यात्रा के समय में 50% से 75% तक कटौती होने की उम्मीद है।

खाड़ी से गुजरने वाले इस ब्रिज के पूरा होने से मेट्रो-5 के काम में तेजी आने की उम्मीद है।

मेट्रो लाइन 5

कुल लंबाई: 25 किमी

कॉरिडोर: ऐलिवेडेड **स्टेशन:** 15

लागत: 8,416 करोड़ रुपये

राइडशिप: 3.35 लाख (2031)

काम की शुरुआत: अक्टूबर, 2019

मौजूदा स्थिति: फेज 1 - ठाणे-भिवंडी (12.7 किमी) 70 प्रतिशत

डेडलाइन: फेज 1 दिसंबर 2024 और फेज 2 (भिवंडी-कल्याण) 2025

लाभ: मेट्रो 5 लाइन से मेट्रो 4 (वडाला-कासरवडवली) और प्रस्तावित मेट्रो 12 (कल्याण से तलोजा) को जोड़ा जाएगा।

पूरा हुआ 70 प्रतिशत काम

मेट्रो-5 का काम एफकॉन नाम की कंपनी कर रही है, जो कशैली खाली पर ब्रिज तैयार करने के अलावा 11 किमी का वायाडक्ट तैयार कर रही है। इसमें लाइन-4 को लाइन-5 से जोड़ा जाएगा इसके अलावा बालकुम, कशैली, काल्हेर, पूर्णा, अंजुरफाटा और धामनकर नाका नाम के 6 मेट्रो स्टेशन भी तैयार किए जा रहे हैं। एफकॉन के अनुसार कुल 11.68 किमी में से 9.3 किमी तक वायाडक्ट तैयार किया जा चुका है। 6 स्टेशनों का 60 प्रतिशत तक काम किया जा चुका है और इस मेट्रो के एक पैकेज (CA-28) का कुल 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

ब्रिज बनाने में थीं चुनौतियां

एफकॉन के प्रॉजेक्ट मैनेजर सुकेश सिंह के अनुसार, 'कशैली खाड़ी ब्रिज बनाने के दौरान कई चुनौतियां सामने थीं। ड्रिल के लिए जिन मशीनों का उपयोग किया जा रहा था वे कई बार अटक जाती थीं। इन्हें निकालकर साफ करने के बाद दोबारा ड्रिलिंग प्रक्रिया शुरू करनी पड़ती थी।' ब्रिज पर काम करने के लिए ज्यादातर पानी में उतरना पड़ता था इसके लिए बार्ज और टगबोट का इस्तेमाल होता था। इस दौरान खाड़ी में लहरों के उतार-चढ़ाव से भी मजदूरों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। हाई टाइड भी चुनौतियां आती थीं। ब्रिज के लिए बीम बनाने और कास्टिंग का काम करने में चुनौतियां आ रही थीं। रोजाना सही ढंग से काम करने के लिए केवल 4 घंटे का विंडो ही मिलता था। इन चुनौतियों के बावजूद 4 महीनों के समय में कुल 22 टाई बीम तैयार किए गए।